ASSAM TRIBUNE, Guwahati, 1.10.2017
Page No. 16, Size:(8.96)cms X (8.88)cms.

Int'l rating chess tourney begins

GUWAHATI, Sept 30: Apolosana Mangang Rajkumar of Manipur, Nandan Buragohain of Assam and Dhrupad Kashyap of Assam are sharing the lead with 5 points each after completion of the fifth round of the Dipak Ghatuar Memorial International Fide Rating Chess Tournament which got off at the Bir Lachit Borphukan College, Sivasagar on September 28.

They are followed by Santanu Borpatra Gohain of Assam, Suvradeepta Das of West Bengal and Neelabh Jyoti Borthakur of Assam on 4.5 points each. The tournament was formally inaugurated by MP Kamakhya Prasad Tasa.

Altogether 175 players are participating in this 9-round Swiss League event organised by the Sivasagar District Chess Association and supported by Assam Chess Club, ONGC, ATTSA Demow Branch, Redbull and Galaxy Enterprise. The championship carries a total prize fund of Rs 2,45,000.

The tournament is conducted by Biswajit Bharadwaj as the chief Arbiter and he is assisted by Pradeep Kumar Roy of Tripura, Hemanta Kumar Medhi, Mrinal Gogoi, Swaraj Buragohain and Lakhyajyoti Saikia as Deputy Arbiter.

ASSAM TRIBUNE, Guwahati, 1.10.2017
Page No. 8, Size:(4.48)cms X (6.06)cms.

OBITUARY

B Changkakoti

ANN Service

SIVASAGAR, Sept 30: Former employee of ONGC, Assam Asset,Nazira, social worker, former president of Purana Amolapatty Naamghar Samity, Baidya Changkakoti passed away on September 28. He was 84.

He leaves behind his wife, a daughter and a son.

HINDUSTAN, Delhi, 1.10.2017
Page No. 15

भारत-22 : छोटे निवेशकों के लिए कमाई का मौका

पैसा बोलता है

अगर आप मानते हैं कि बैंकों में जमा पर ब्याज दर आकर्षक नहीं रह गई है और शेयर बाजार में सीधे निवेश करने का जोखिम भी नहीं लेना चाहते तो भारत 22 ईटीएफ आपके लिए सुरक्षित निवेश का बेहतर विकल्प हो सकता है। सरकार ने अगस्त में ईटीएफ लाने का ऐलान किया था और इसे दीपावली के दौरान लांच किया जा सकता है। यह शेयरों में निवेश किए बगैर शेयर बाजार में कदम रखने का अवसर है। पेश है की एक रिपोर्ट

नई दिल्ली | हिन्दुस्तान टीम

एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) उन निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो शेयर बाजार में निवेश तो करना चाहते हैं, लेकिन बाजार की समझ नही होने और जोखिम के कारण बाजार से दूर रहना पसंद करते हैं। त्योहारों के मौसम में आम लोगों के लिए निवेश का यह नया रास्ता है। सबसे बड़ा भरोसा तो यही है कि इसमें शामिल अधिकांश कंपनियां भारत सरकार द्वारा संचालित हैं। ईटीएफ से निवेशकों में यह भरोसा पैदा होगा कि उनके धन का ओएनजीसी, एनटीपीसी और नाल्को जैसे भरोसेमंद पीएसयू में सही जगह पर निवेश होगा। ईटीएफ में विशेषज्ञ मैनेजर फंड बाजार के उतार-चढ़ाव को देखते हुए निवेशकों का पैसा तय शेयरों में तय अनुपात में निवेश करेंगे। इसका अभिप्राय यह होगा कि ईटीएफ का निवेशक अप्रत्यक्ष तौर पर एक साथ कई कंपनियों में निवेश कर सकेगा।

बड़ी कंपनियों में निवेश का अवसर

भारत-22 बड़ी कंपनियों में निवेश का किफायती अवसर है। सामान्यतया अगर ओएनजीसी, इंडियन ऑयल, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक और एलएंडटी जैसी कंपनियों के एक-एक शेयर खरीदने हों तो आपको बड़ी रकम खर्च करनी पड़ सकती है। हालांकि भारत 22 आपको इन कंपनियों के शेयर, बांड में एक साथ सिर्फ 10 रुपये में भी निवेश करने का मौका देगा। सरकार की ओर पहले जारी ईटीएफ ने करीब 10 फीसदी का रिटर्न दिया है, जो बचत के अन्य रास्ते पीपीएफ, किसान विकास पत्र, सुकन्या समृद्धि योजना से बेहतर है। इस बार सरकार ने ईटीएफ के लिए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल को फंड मैनेजर नियुक्त किया है।

कैसे होगा निवेश

हर कारोबारी दिन फंड में ईटीएफ में शामिल शेयरों की कीमत के आधार पर निवेश की शुद्ध कीमत (सकल निवेश मूल्य या एनएवी) तय होती है। इसी के आधार पर शेयर बाजार में यूनिट की खरीद-फरोख्त होती है।शेयरों की तरह ही ईटीएफ के यूनिट की खरीद-बिक्री शेयर ब्रोकर के माध्यम से की जा सकती है। सरकार पहले भी ईटीएफ लांच कर चुकी है, पुराने ईटीएफ में केवल 10 सरकारी कंपनियां थी,जिसमें ज्यादातर ऊर्जा क्षेत्र के पीएसयू थे।

ईटीएफ से मिला है बड़ा रिटर्न

सबसे पहले मार्च 2014 में पीएसयू ईटीएफ लांच हुआ था और उसके बाद 2 पीएसयू ईटीएफ और आ चुके हैं। दो अन्य ईटीएफ को भी छोटे और बड़े निवेशकों ने हाथोंहाथ लिया था। सरकार ने पिछले वित्त वर्ष में ईटीएफ से करीब 8,500 करोड़ रुपये जुटाए थे और इस साल करीब 72,500 करोड़ रुपये जुटाने का उद्देश्य है। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 4 अगस्त को नए ईटीएफ का ऐलान किया। हालांकि अभी फंड के तहत यूनिट बेचने की तारीख तय नहीं हुई है। लेकिन सूत्रों का कहना है दिवाली के आस-पास पेश किया जा सकता है।

क्या है ईटीएफ

ईटीएफ में शेयर, बांड या जिंस शामिल किए जाते हैं। ईटीएफ एक तरह का म्यूचुअल फंड है जिसके यूनिट की खरीद-फरोख्त एक शेयर की तरह की स्टॉक एक्सचेंज पर होती है। ईटीएफ में अलग-अलग सरकारी कंपनियों के शेयर एक साथ बेचे जाते हैं। ईटीएफ बांबे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई में सूचीबद्ध होगा। पहली बार इसमें बैंकों को जगह दी गई है।

HINDUSTAN, Delhi, 1.10.2017
Page No. 15

कितना लाभ

06 क्षेत्रों की 22 दिग्गज कंपनियों का समूह होगा भारत-22 ईटीएफ

54 हजार करोड़ रुपये हो गई ईटीएफ में निवेश की कीमत जून 2017 में

05 हजार रुपये न्यूनतम निवेश खुदरा निवेशकों के लिए

10 लाख रुपये अधिकतम निवेश राशि होगी ईटीएफ में

2014 मार्च में पहली बार जारी हुआ था पीएसयू ईटीएफ

क्या है भारत-22

यह ईटीएफ है। इसमें देश के छह सेक्टरों की दिग्गज कंपनियों को शामिल किया गया है। इसमें केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम, सरकारी बैंक और यूटीआई के विशिष्ट उपक्रम एवं निजी कंपनियां भी शामिल हैं।

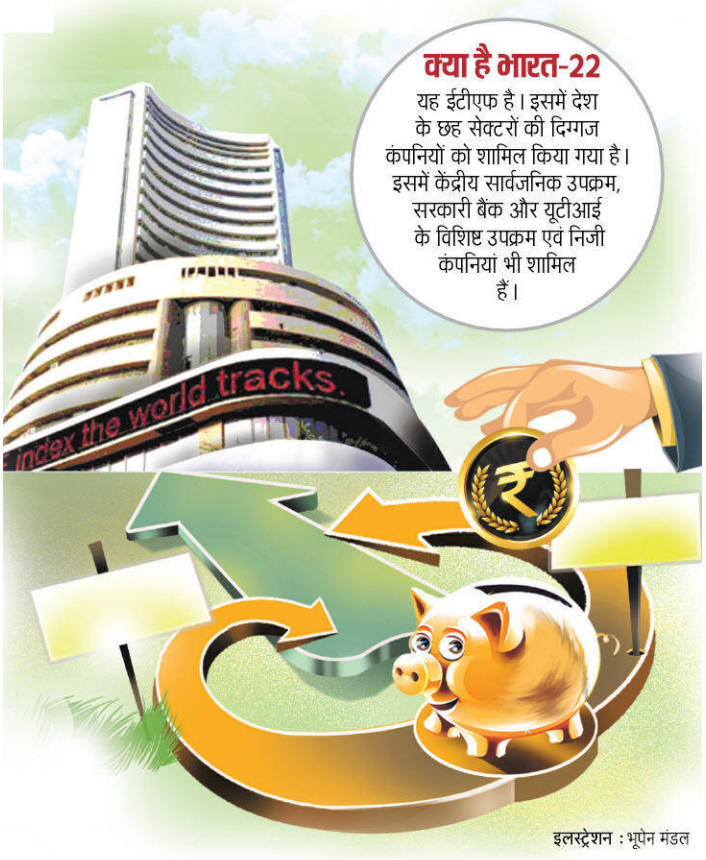

इलस्ट्रेशन : भूपेन मंडल

HINDU, Delhi, 1.10.2017
Page No. 12, Size:(17.21)cms X (11.62)cms.

RSS chief to meet key leaders

List of invitees include policy-makers, Vice-Chancellors and PSU heads

SPECIAL CORRESPONDENT
NEW DELHI

After meeting with the cream of the diplomatic corps in New Delhi earlier in September, Rashtriya Swayamsevak Sangh chief Mohan Bhagwat will be meeting policy mavens, Vice-Chancellors of central universities and heads of public sector units (PSUs) on October 6.

Debate on economy

The meeting comes against the backdrop of an ongoing debate on the health of the Indian economy and the RSS's concerns over the issue, including those of its affiliates such as the Bharatiya Mazdoor Sangh, Swadeshi Jagaran Manch and Laghu Udyog Bharati, in the wake of the implementation of the Goods and Services Tax (GST) and various policy interventions of the government.

> **The RSS chief will meet people from different walks of life on October 6**
>
> MANMOHAN VAIDYA
> Chief of publicity, RSS

The meeting is being organised by the Delhi unit of the RSS under its *Vishesh Sampark* (special outreach) department. "*Sarsanghchalakji* (RSS chief) usually meets people from different walks of life every year after his Vijayadashami address in Nagpur, this is nothing new," RSS *prachar pramukh* (chief of publicity) Manmohan Vaidya told *The Hindu*.

Key invitees

The list of invitees, however, is interesting, with the Vice-Chancellors of Jawaharlal Nehru University, Delhi University and the Indira Gandhi National Open University and the heads of the Indian Council for Historical Research and the Indian Council for Social Sciences Research and the Director of the Indian Institute of Technology, Delhi, listed as key attendees.

The chairpersons of Steel Authority of India Ltd., the National Thermal Power Corporation and the Railway Board and the Director of the All India Institute of Medical Sciences have been invited to the major event.

Sources say that out of the list of 50 to 60, most have accepted the invitation.

Reviving SMEs

In his customary Vijayadashami address in Nagpur on Saturday, Mr. Bhagwat sought protection for the small and medium enterprises currently reeling under the impact of demonetisation and the GST.

"While reforming and cleaning the economic systems, although some tremors and instability is expected, it should be kept in mind that these sectors (SMEs) should feel the minimum heat and ultimately they should get the maximum strength," the RSS chief said.

TIMES OF INDIA, Jaipur, 1.10.2017
Page No. 5, Size:(4.58)cms X (17.42)cms.

Barmer admn hands over land to HPCL for refinery

Vimal Bhatia | TNN

Jaisalmer: Barmer administration on Friday handed over 11,418 bighas (4,567 acre) of land to HPCL for refinery at Pachpadra and a lease deed agreement and registration was signed by district collector SP Shiv Prasad Nakate on behalf of the state government and HPCL executive director Shekhar Gayakwad. There is a possibility of PM Modi coming to Pachpadra in October for laying the foundation stone of the refinery.

HPCL and state government will jointly set up the refinery. After four years, once again activities have started in regard to refinery and people are quite excited.

District collector Shiv Prasad Nakate said on Friday that the government and HPCL signed a lease deed agreement and registration for the refinery at Pachpadra and 11,418 bighas of land was allotted to the company and in Pachpadara office. "Lease deed agreement and registration was signed with HPCL executive director Shekhar Gayakwad and I signed on behalf of the state government," he said. He said a meeting was organized for refinery establishment in Pachpadra in which all officers of district were present.